



# उ०प्र० कृषि अनुसंधान परिषद

## U.P. COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

राजकीय उद्यान, करियप्पा मार्ग, आलमबाग, लखनऊ-226005  
Rajkiya Udhyan, Cariappa Road, Alambagh, Lucknow-226005

पत्रांक: 2065 / एनआरएम/डब्ल्यूबीएसएलएएजी/पीएल/2021

दिनांक: 12.02.2026

### मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप) की दिनांक 12 फरवरी, 2026 को वर्ष 2025-26 की 23वीं बैठक में कृषकों के उपयोगार्थ संस्तुतियों

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2025-26 की 23वीं बैठक डा. संजय सिंह, महानिदेशक, उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद की अध्यक्षता में दिनांक 12 फरवरी, 2026 को परिषद के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तर प्रदेश राज्य केन्द्र के वरिष्ठ एवं संयुक्त निदेशक (आई.टी.); चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व मौसम वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारी (ग्रा.कृ.मौ. से.); आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के राईस ब्रीडर एवं मौसम वैज्ञानिक; आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी; वन विभाग; उद्यान विभाग; मत्स्य विभाग; शुआट्स, प्रयागराज के वैज्ञानिक तथा उपकार के वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने भाग लिया।

उक्त के अतिरिक्त बैठक में बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा के मौसम वैज्ञानिक; बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के पशु चिकित्सा वैज्ञानिक; आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के सह-प्राध्यापक, पशु रोग औषधि एवं विष विज्ञान विभाग; भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक/अधिकारियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया (उपस्थिति संलग्न)।

इस बैठक में क्राप वेदर वॉच ग्रुप की संस्तुतियों को ऑनलाइन/डिजिटल उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तर प्रदेश राज्य केन्द्र द्वारा निर्मित पोर्टल का उद्घाटन महानिदेशक, उपकार द्वारा किया गया। यह पोर्टल कृषि विभाग की वेबसाइट [agriculture.up.gov.in](http://agriculture.up.gov.in) पर उपलब्ध है।

### प्रथम सप्ताह का मौसम पूर्वानुमान (13 से 19 फरवरी, 2026)

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार इस सप्ताह के उत्तरार्द्ध में कहीं-कहीं छिटपुट वर्षा के अतिरिक्त प्रदेश में कोई प्रभावी वर्षा होने की संभावना नहीं है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 17 फरवरी को गरज-चमक के साथ तेज हवाएँ चलने की संभावना है। प्रदेश के दक्षिणी-पश्चिमी अर्धशुष्क मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग एवं बुंदेलखंड क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री से. अधिक जबकि अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह सामान्य के आस-पास रहने की संभावना है।

प्रदेश के भाभर-तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री से., पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री से., मध्य मैदानी क्षेत्र के दक्षिणी भाग, बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग में यह 28 से 30 डिग्री से., जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 26 से 28 डिग्री से. रहने की संभावना है। प्रदेश के भाभर-तराई क्षेत्र, पश्चिमी मैदानी, मध्य पश्चिमी मैदानी एवं दक्षिणी पश्चिमी अर्धशुष्क मैदानी क्षेत्र में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री से. अधिक, बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग में यह 2 से 4 डिग्री से. कम तथा अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह सामान्य के आस-पास रहने की संभावना है। प्रदेश के भाभर तराई, बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 08 से 10 डिग्री से. जबकि अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 10 से 12 डिग्री से. रहने की संभावना है।

### द्वितीय सप्ताह का मौसम दृष्टिकोण (20 से 26 फरवरी 2026)

इस सप्ताह के दौरान प्रदेश का मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। प्रदेश के पश्चिमी मैदानी, मध्य पश्चिमी मैदानी, दक्षिणी पश्चिमी अर्धशुष्क मैदानी एवं बुंदेलखंड क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री से.अधिक तथा अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह सामान्य के आस-पास रहने की संभावना है। प्रदेश के भाभर-तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग एवं पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री से., पश्चिमी

मैदानी क्षेत्र के दक्षिणी भाग, मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री से., बुंदेलखंड क्षेत्र एवं विंध्य क्षेत्र के दक्षिणी भाग में यह 30 से 32 डिग्री से. जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 26 से 28 डिग्री से. रहने की संभावना है। प्रदेश के बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास तथा अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह सामान्य से 2 डिग्री से. अधिक रहने की संभावना है। प्रदेश के भाभर-तराई, पश्चिमी मैदानी, मध्य पश्चिमी मैदानी, बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री से., जबकि अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 12 से 14 डिग्री से. रहने की संभावना है।

प्रदेश में मौसम के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में किसानों को अगले दो सप्ताह हेतु कृषि प्रबन्धन के लिए निम्नलिखित सुझाव दिये जाते हैं:-

- कृषक रबी फसलों के खेतों में नमी बनाये रखने के लिये आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें तथा तापमान की तत्कालीन स्थिति के बारे में निरंतर जानकारी लेते रहें।
- विलम्ब से (जनवरी में) बोए गए गेहूँ के खेत में यदि अभी तक टॉप ड्रेसिंग नहीं की है तो उचित नमी की दशा में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें।
- आलू की फसल की सिंचाई बंद करते हुये खुदाई के 10 दिन पहले आलू की बेल को काट दें, जिससे आलू पक जाता है और छिलका मबजूत हो जाता है।
- बसन्तकालीन गन्ने में अन्तःफसल के रूप में गन्ना+उर्द तथा गन्ना+भिण्डी की खेती कर कृषक अधिक आय ले सकते हैं।
- टमाटर की ग्रीष्मकालीन फसल के लिये रोपाई एवं कद्दूवर्गीय फसलों की बुवाई करें।
- आम के अगेती बौर को खर्चा या दहिया रोग से बचाने हेतु घुलनशील गंधक के 0.2 प्रतिशत घोल (2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।
- राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत पशुओं में एफ0एम0डी0 का टीकाकरण प्रत्येक जनपद के समस्त पशु चिकित्सालयों के माध्यम से टीकाकरण कार्यकर्ताओं द्वारा निःशुल्क कराया जा रहा है, जिसका लाभ कृषक/पशुपालक अपने जनपदीय मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी या निकटस्थ पशुचिकित्सा अधिकारी से संपर्क कर उठा सकते हैं।
- कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रीय उपयोग हेतु भारत मौसम विज्ञान विभाग की बहु-जोखिम पूर्व चेतावनी निर्णय समर्थन प्रणाली का उपयोग किया जाय जिसका यूआरएल <https://imdgeospatial.imd.gov.in> है।

### गेहूँ की खेती

- गेहूँ की आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- गेरुई तथा पत्ती धब्बा रोग के लक्षण दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजोल 25 प्रतिशत ई.सी. की 500 मिली./हे. लगभग 750 ली. पानी में घोलकर 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।

### जायद मक्का की खेती

- आलू की खुदाई के बाद जायद में मक्के की बुवाई का समय है। अतः मक्का की संकुल किस्मों नवजोत, आजाद उत्तम, प्रताप कंचन-2, गौरव व संकर किस्मों पी.ए.सी.-751, दक्कन-115, एम.एम. एच.-133, प्रो-4212, सी.ओ.एच. (एम) 8 हरे भुट्टे माधुरी, प्रिया विन आरेंज तथा शिशु मक्का हेतु प्रकाश, पूसा अगेती संकर मक्का-2 एच.एम.-4 की बुवाई करें।

### तिलहनी फसलों की खेती

- जायद में सूरजमुखी की बुवाई का उपयुक्त समय फरवरी का दूसरा पखवारा है अतः सूरजमुखी की संकुल किस्मों मॉडर्न, सूर्या व संकर किस्मों के.वी.एस.एच.-1, एस.एच.-3322 व एम.ए.एफ.एच.-17 की बुवाई करें।
- सरसों की बालियां सुनहरी होने पर उनकी कटाई कर दें।

### दलहन की खेती

- उर्द की सम्पूर्ण उ.प्र. हेतु संस्तुत प्रजातियों यथा प्रताप उर्द-1, वल्लभ उर्द-1, आई.पी.यू. 11-2, पंत उर्द-10, आई.पी.यू. 13-1, टाइप-9, नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, उत्तरा, आजाद उर्द-2, व शेखर-2 आदि की बुवाई करें।

- चने में फलीबेधक कीट के नियंत्रण हेतु एनपीवी 2 प्रतिशत ए.एस. 200 से 250 एल.ई./हे. की दर से लगभग 250 से 300 ली. पानी में घोलकर प्रयोग करने से इसका प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। 2 छोटी अथवा 1 बड़ी सूड़ी प्रति 10 पौधा मिलने पर इसका रासायनिक नियंत्रण करें। इस हेतु एथियन 50 प्रतिशत ई.सी. की 1.2 ली. मात्रा प्रति हे. अथवा फ्लूबेडामाइड 39.35 प्रतिशत एस.सी. की 100 मि. ली. मात्रा प्रति हे. की दर से 500 से 600 ली. पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- अरहर की फल मक्खी से प्रकोपित 5 प्रतिशत फली मिलने पर या फली चूसक कीटों का प्रकोप होने पर डाइमथोएट 30 ईसी 1 लीटर या इमिडाप्रोपेड 17.8 एसएल 200 मिली अथवा एसिटामिप्रिड 20 डबलूपी 150 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

### गन्ना की खेती

- बसन्तकालीन गन्ने की बुवाई हेतु नवीन उन्नत किस्मों यथा को.शा.-13235, को.लख.-14201, को.-15023, को.शा.-17231, को.शा.-18231, को.लख.-16202, को.शा.-14233, को.से.-13452, को.शा.-19231 आदि की बुवाई करें।
- लालसड़न रोग से संक्रमित किस्म को.-0238 की बुवाई न करें तथा पेड़ी भी न लें। ऐसे खेतों में पुनः गन्ने की बुवाई न करें।
- शरदकाल में गन्ने के साथ बोई गई अंतःफसल की कटाई/खुदाई के बाद फसल अवशेषों को गन्ने की दो लाईनों के बीच में डालकर गुड़ाई कर दें। पेड़ी की शुरुआत करते समय पुरानी नालियों की छंटाई करें तथा बीज के स्थान की गुड़ाई करें व पोषक तत्वों का प्रबन्धन करें।
- पॉली ट्रे एवं एसटीपी विधि से सिंगल बड नर्सरी तैयार करने का समय है। जिन किसान भाईयों को गन्ने की नर्सरी तैयार करनी है वो नर्सरी तैयार कर लें।

### सब्जियों की खेती

- खरबूजा की बुआई का समय है अतः कृषक संस्तुत प्रजातियों काशी मधु, पूसा शरबती, पूसा मधुरस, हरा मधु, पंजाब-सुनहरी तथा संकर किस्मों पंजाब संकर के बीज की व्यवस्था करें।
- नदी के किनारे बोए जाने वाले तरबूज की बुआई का समय है अतः कृषक संस्तुत प्रजातियों सूगर बेबी, दुर्गापुर केसर, अर्का मानिक, दुर्गापुर मीठा, संकर किस्म आर्का ज्योति के बीज की व्यवस्था करें।
- खरीफ प्याज की नर्सरी में आर्द्र गलन रोग से बचाव हेतु कार्बेन्डाजिम की 0.1 प्रतिशत का घोल बनाकर छिड़काव करें। जनवरी में रोपी गई प्याज में सिंचाई कर यूरिया की टॉपड्रेसिंग करें।
- टमाटर तथा मिर्च की ग्रीष्मकालीन फसल के लिए रोपाई एवं कद्दूवर्गीय फसलों की बुवाई फरवरी माह में कर लें।
- सब्जियों की फसल में विशेषतया टमाटर, मिर्च में विषाणु रोग का प्रकोप अधिक होता है इस रोग का प्रसार वाहक कीट सफेद मक्खी/हॉपर कीट के द्वारा होता है। इसके प्रसार के रोकथाम हेतु आवश्यकतानुसार फिप्रोनिल 5 प्रतिशत एस.सी. या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एस.एल. का 0.5 मि. ली. /ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

### बागवानी

- कटहल, नींबू में फूल आने के समय सिंचाई बन्द कर दें।
- जुलाई से सितम्बर के मध्य लगाये गये आम, अमरुद, नींबू आदि के नवीन बागों में जो पौधे किन्हीं कारणवश मर गये हो उनके स्थान पर नये पौधे लगायें।
- आम की फसल में गुजिया कीट (मिलीबग) के नियंत्रण के लिये लगाई गई पॉलीथीन पट्टी को कपड़े से साफ कर दें। यदि पॉलीथीन पट्टी सरक गई हो तो उसे ठीक कर दें। यदि गुजिया कीट पेड़ पर चढ़ गई इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एस.एल. का 0.5 मि. ली./ली. पानी में घोल बनाकर प्रति ली. घोल की दर से स्टीकी के रूप में 1 प्रतिशत शैम्पू या डिटरजेंट मिलाकर छिड़काव करें।
- आम के अगेती बौर को खर्षा या दहिया रोग से बचाने हेतु घुलनशील गंधक के 0.2 प्रतिशत घोल(2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।

- अमरूद एवं आम में उकठा रोग की रोकथाम हेतु थायोफिनेट मिथाइल के 1.0 मि.ली./ली. पानी में घोलकर छिड़काव तथा 2.5 कि.ग्रा. ट्राईकोडर्मा को 70 से 80 कि.ग्रा. गोबर की सड़ी हुई खाद में मिलाकर 1 से 2 कि.ग्रा. प्रति थाला की दर से मिट्टी में मिलायें।

### पशुपालन

- जायद चारा फसलों यथा ज्वार, मक्का आदि की बुवाई करें।
- प्रजनन सम्बन्धी समस्त रोगों के निराकरण हेतु पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि हरा चारा, भूसा, पशु आहार के अतिरिक्त खनिज लवण भी अवश्य खिलायें।
- पशु समस्या निवारण केन्द्र के टोल फ्री नं०—18001805141 पर संपर्क कर पशुओं से संबंधित समस्याओं के समाधान लाभ ले सकते हैं।

### मत्स्य पालन

- मत्स्य बीज उत्पादक कॉमन कार्प की ब्रीडिंग प्रारंभ कराने के लिये 15 से 20 दिन पूर्व नर एवं मादा कॉमन कार्प के प्रजनक मछली (ब्रूड) को दो अलग-अलग तालाबों में संचयन कर लें।
- कार्प मछली वाले तालाब में पानी का स्तर 5 से 6 फीट एवं पंगेशियस मछली वाले तालाब में पानी का स्तर न्यूनतम 8 से 10 फीट बनाये रखें। पंगेशियस के तालाबों में प्रतिदिन 10 से 20 प्रतिशत तक पानी का बदलाव ट्यूबवेल के पानी से करें।
- प्रजनक मछली (ब्रूड को ऑरगुल्स के संक्रमण से बचाने हेतु 80 से 100 एम.एल./एकड़ की दर से बुटॉक्स या क्लीनर या टिनिक्स का छिड़काव दिन में 10:00 बजे पूर्वाह्न से 2:00 बजे अपराह्न के बीच करें।

### वानिकी

- वन विभाग द्वारा कार्यान्वित कार्बन फाइनेंस प्रोजेक्ट के माध्यम से जीवांश कार्बन की बढ़ोत्तरी कर कृषक कार्बन क्रेडिट के रूप में अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकते हैं।
- पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली को अपनाने, कृषि वानिकी के सतत् कृषि-वन मॉडल को प्रोत्साहित करने तथा पर्यावरणीय ज्ञान को पुनर्स्थापित करने हेतु ग्राम पंचायत/नगरीय निकाय स्तर पर वन विभाग द्वारा ग्रीन चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा समय-समय पर आयोजित ग्रीन चौपाल के बैठकों में अवश्य प्रतिभाग किया जाय।

### राज्य आपदा प्रबंधन

- मौसम सम्बन्धी आपदाओं से बचने के लिए **सचेत ऐप (SACHET App)** डाउनलोड करें जिससे आपदाओं का पूर्वानुमान प्राप्त हो सके। राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत फसल, पशु क्षति, पशुबाड़ा क्षति की राहत हेतु आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कंट्रोल रूम 1077 तथा राज्य आपदा कंट्रोल रूम 1070 पर संपर्क करें।
- **नोट:—**क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की बैठक की संस्तुतियां वेबसाईट [agriculture.up.gov.in](http://agriculture.up.gov.in) तथा [upcar.up.gov.in](http://upcar.up.gov.in) पर भी उपलब्ध हैं।
- क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की संस्तुतियां कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा एफ.पी.ओ. को प्रेषित की जा रही हैं, इनसे अनुरोध है कि यदि इनके कोई सुझाव हो तो परिषद के ईमेल [upcar12@gmail.com](mailto:upcar12@gmail.com) पर प्रेषित करने का कष्ट करें जिससे आगामी बैठकों में उनके सुझावों पर चर्चा कर संस्तुतियां दी जा सकें।



(संजय सिंह)  
महानिदेशक

**प्रतिलिपि: उपरोक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।**

1. निजी सचिव, माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय मंत्री जी के अवलोकनार्थ।

2. निजी सचिव, माननीय राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय राज्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
3. निजी सचिव, माननीय अध्यक्ष, को माननीय अध्यक्ष जी के अवलोकनार्थ।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
5. निजी सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन को महोदय के सूचनार्थ।
6. प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
7. अपर मुख्य सचिव, उद्यान, उ.प्र. शासन।
8. अपर मुख्य सचिव, पशुपालन, उ.प्र. शासन।
9. अपर मुख्य सचिव, मत्स्य, उ.प्र. शासन।
10. अपर मुख्य सचिव, रेशम, उ.प्र. शासन।
11. अपर मुख्य सचिव, नियोजन योजना भवन, लखनऊ।
12. कुलपति, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ, बॉदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बॉदा, सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
13. गन्ना आयुक्त, गन्ना आयुक्त कार्यालय, 17 न्यू बेरी रोड, गन्ना किसान संस्थान, डालीबाग, लखनऊ।
14. आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उ.प्र., केसरबाग, लखनऊ।
15. राहत आयुक्त, उ.प्र. शासन को ग्राम प्रधान को समूह की संस्तुतियां प्रेषित करने हेतु।
16. अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ. प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ।
17. समस्त जनपदों के मुख्य विकास अधिकारी, उ.प्र.।
18. निदेशक कृषि, कृषि भवन, लखनऊ।
19. निदेशक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ।
20. निदेशक, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ।
21. निदेशक, राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, लखनऊ।
22. अध्यक्ष, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ।
23. निदेशक, उ.प्र. गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर।
24. निदेशक, रेशम, रेशम विभाग, गोमती नगर, लखनऊ।
25. निदेशक, मत्स्य, मत्स्य निदेशालय, फैजाबाद रोड, लखनऊ।
26. निदेशक, उद्यान, उद्यान विभाग, लखनऊ।
27. निदेशक, पशुपालन, पशुपालन विभाग, लखनऊ।
28. निदेशक, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ।
29. प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, वन विभाग, 17 राणा प्रताप मार्ग, नरही, लखनऊ।
30. प्रबन्ध निदेशक, बीज विकास निगम, बादशाहनगर, लखनऊ।
31. निदेशक, सांख्यिकी, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश।
32. निदेशक प्रसार, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर/ आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या/ सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ/ बॉदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बॉदा/ सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
33. निदेशक, दूरदर्शन, लखनऊ।
34. निदेशक, आकाशवाणी, लखनऊ।
35. निदेशक, रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेण्टर, सेक्टर जी, जानकीपुरम, कुर्सी रोड, लखनऊ।
36. निदेशक, कृषि मौसम, मौसम केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
37. निदेशक सूचना, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उ.प्र. लखनऊ।
38. अपर कृषि निदेशक (सामान्य), कृषि निदेशालय, कृषि भवन, लखनऊ।
39. अपर कृषि निदेशक, प्रसार, कृषि भवन, लखनऊ।
40. अपर कृषि निदेशक, कृषि रक्षा, कृषि भवन, लखनऊ।
41. संयुक्त कृषि निदेशक, शोध एवं मृदा सर्वेक्षण, कृषि भवन, लखनऊ को किसान कॉल सेंटर हेतु।
42. कृषि विभाग के सभी संयुक्त कृषि निदेशक, उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी

43. प्रदेश के 20 कम्युनिटी रेडियो।
44. प्रदेश के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र
45. प्रदेश के 2200 एफ.पी.ओ.
46. बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारी/वैज्ञानिक।
47. निजी सचिव महानिदेशक, उपकार को महानिदेशक महोदय के सूचनार्थ।



(विनोद कुमार तिवारी)

प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्राफ वेदर वाच गुप) की वर्ष 2025-26 की 23वीं बैठक दिनांक 12 फरवरी, 2026 की उपस्थिति

1. डा. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार, लखनऊ।
2. डा. संजीव कुमार, उपमहानिदेशक, उपकार, लखनऊ।
3. श्री संजय श्रीवास्तव, वरिष्ठ निदेशक, (आई.टी.) एवं प्रभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तर प्रदेश राज्य केन्द्र लखनऊ।
4. श्री रमेश प्रसाद, संयुक्त निदेशक (आईटी), राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तर प्रदेश राज्य केन्द्र लखनऊ।
5. डा. टी.के. श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी कृषि मौसम विभाग, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ (ऑनलाइन)।
6. डा. विनोद कुमार तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ।
7. श्री मनोज कुमार शर्मा, अपर सांख्यिकी अधिकारी, वन विभाग, लखनऊ।
8. श्री एम. दानिश वैज्ञानिक-डी, आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
9. डा. एस.एन. पाण्डेय, पूर्व मौसम वैज्ञानिक, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
10. डा. सौरभ दीक्षित, राईस ब्रीडर, क्राफ रिसर्च स्टेशन, मसौधा, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या।
11. डा. प्रिया रंजन कुमार, सह प्राध्यापक (पशु चिकित्सा स्त्री रोग), बी.एच.यू. वाराणसी (ऑनलाइन)।
12. डा. दिनेश शाह, प्राध्यापक, शस्य विज्ञान एवं इंचार्ज, एग्रोमेट आवश्यकवेट्री, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा (ऑनलाइन)।
13. डा. सत्यव्रत सिंह, सह प्राध्यापक, पशु रोग औषधि एवं विष विज्ञान विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या (ऑनलाइन)।
14. श्री अमरनाथ मिश्र, सहायक प्राध्यापक (कृषि मौसम), आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या।
15. श्रीमती सीमा, ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक, मत्स्य विभाग, लखनऊ।
16. श्री सचिन आर्या, कीट वैज्ञानिक, उद्यान विभाग, लखनऊ।
17. श्री सर्वेश चन्द्र, उद्यान अधिकारी, उद्यान विभाग, लखनऊ।
18. डा. अनुष्का पाण्डेय, प्रोग्राम मैनेजर, क्राफ वेदर वाच गुप, उपकार, लखनऊ।
19. श्री अजय कुमार मिश्रा, तकनीकी अधिकारी, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
20. श्री प्रतीक कुमार, तकनीकी अधिकारी, शुआट्स, प्रयागराज।
21. श्री प्रेमचंद चौरसिया, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार, लखनऊ।
22. श्री अभिजीत, वैज्ञानिक अधिकारी (कृषि प्रसार), उपकार, लखनऊ।